

कुमाऊं के मुख्य ज़हरीले साँप

संभवतः घातक



© Vivek Sharma/indiansnakes.org



करैत

औसत लंबाई- ९०-१२० सें.मी.



नागराज (किंग कोबरा)

औसत लंबाई- ३०० सें.मी.

© Vivek Sharma/indiansnakes.org



नाग

औसत लंबाई- १५० सें.मी.

© Rahul Alvares



रसल वाइपर

औसत लंबाई- १०० सें.मी.

© Vivek Sharma/indiansnakes.org



सॉ स्केल वाइपर

औसत लंबाई- ३०-४० सें.मी.

आमतौर पर घातक नहीं



औसत लंबाई - ६० सें.मी.



औसत लंबाई - ६० सें.मी.

कृपया याद रखें

- भारत में अधिकांश साँप ज़हरीले नहीं होते
- साँप तभी काटेगा जब उसे अपनी जान का खतरा महसूस होगा
- ज़रूरी नहीं कि ज़हरीला साँप हर दंश में ज़हर छोड़े
- सर्पदंश का सिद्ध इलाज ऐंटीवेनम (विषरोधक इंजेक्शन) ही है
- उचित प्राथमिक चिकित्सा पीड़ित की जान बचा सकती है

करें

प्राथमिक चिकित्सा

- पीड़ित को सबसे पहले शांत करें, हो सके तो लेटाएँ
- सूजन होने से पहले अंगूठी/चूड़ी को प्रभावित अंग से निकालें
- प्रभावित अंग को कम से कम हिलाएँ
- पीड़ित को बिन श्रम अस्पताल फ़ौरन ले जाएँ
- अगर कोबरा या करैत ने काटा हो तो, एक क्रेप पट्टी या ४ इंच चौड़ा कपड़ा प्रभावित अंग पर लपेटें



क्रेप पट्टी



इससे ज़हर का फ़ेलाव मंद हो जाता है
यह तकनीक केवल न्यूरोटॉक्सिक ज़हर पर लागू है

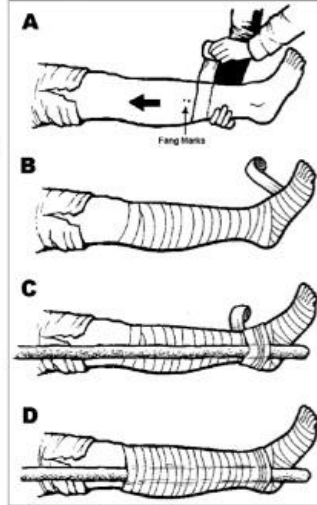


Figure V-6. Compression Bandage for Snake Bite

ना करें

- साँप को पकड़ने या मारने की कोशिश न करें
- प्रभावित अंग को रस्सी/डोरी से न बाँधें
- चीरा न लगाएँ, यह खतरा बढ़ा देगा
- ज़हर को चूसने की कोशिश कभी न करें
- कठवैद्य (झाड़नेवालों) से बचें, कीमती समय बर्बाद न करें
- पीड़ित को शराब, कॉफ़ी या चाय न पिलाएँ



न्यूरोटॉक्सिक (Neurotoxic) ज़हर

तंत्रिका तंत्र पर प्रभाव

सामान्य लक्षण- जलन, बंद होती पलकें, धुंधली दृष्टि, उल्टी, पेट में ऐंठन या गंभीर पीड़ा (करैत दंश), सांस लेने में और निगलने में तकलीफ़

कोबरा, करैत, किंग कोबरा

हेमोटॉक्सिक (Haemotoxic) ज़हर

लाल रक्त कोशिकाओं पर प्रभाव

सामान्य लक्षण- सूजन, तीव्र पीड़ा, खून का ना जमना, अक्सर मुँह, नाक और पेशाब में खून

रसल वाइपर, सॉ स्केल वाइपर, हरा साँप, हिमालयन पिट-वाइपर

किंग कोबरा

एक झलक



- पहाड़ी नाम
सूपिया/शामी साँप
- दुनिया का सबसे लंबा विषैला साँप
औसत लम्बाई: ३.०० मी. (१०-१२ फीट)
- पहचान- अत्यधिक लम्बा, फणवाला, काले/भूरे शरीर पर सफ़ेद/पीले छल्ले, अक्सर काली पूंछ
- आहार- अन्य साँप (विषैले भी)
दूसरे साँपों की संख्या को काबू में रखता है
- विश्वभर में एकमात्र साँप जो घोंसला बनाता है
 - मादा कोबरा मई/जून के महीने में सूखे घास और पत्तों से घोंसला तैयार करती है
 - कई दिनों तक घोंसले में/आसपास रह कर अंडों की रखवाली करती है

- पूरे उत्तराखंड में इसके डसने का कोई रिकॉर्ड नहीं !
यह शांत स्वभाव का साँप है, बिना छेड़े यह आक्रमण नहीं करता
- इस साँप को मारना या इसके घोंसले को नुक़सान पहुंचाना एक **दंडनीय अपराध** है
- यह साँप उत्तराखंड की शान है



चीड़ के पत्तों का घोंसला



बांज के पत्तों का घोंसला



किंग कोबरा के बच्चे (औसत लम्बाई- ५० स.म)



Funding: The Rufford Foundation, UK
Poster Design: Jignasu Dolia & Manish Rai
Image credits: Jignasu Dolia, K.S. Sajwan
Contact: +91 96 39 87 17 60